एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 05, अंक: 06 (नवम्बर-दिसम्बर, 2025)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

वर्मी कम्पोस्ट-भारतीय किसानों के लिए एक सफल उद्यम: कचरे को सोना बनाइए-मिट्टी को उपजाऊ, फसल को मजबूत और जेब को भरपूर बनाइए

डॉ. आशुतोष सिंह राजपूत[1] एवं डॉ. उपासना डिगरसे[2]
[1]विजिटिंग विद्वान, कृषि अध्ययनशाला, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन
[2]पी.एच.डी. स्कॉलर, प्रसार शिक्षा विभाग, जे.एन.के. कृषि वि.वी., जबलपुर
*संवादी लेखक का ईमेल पता: ashu484001@gmail.com

वर्मी कम्पोस्ट (Vermicompost) एक जैविक खाद है जो केंचुओं द्वारा गोबर, फसल अवशेष, सब्जी के छिलके और अन्य जैविक अपशिष्ट को सड़ाकर बनाई जाती है। यह मिट्टी को उपजाऊ बनाती है, फसल की पैदावार बढ़ाती है और रासायनिक खादों पर निर्भरता कम करती है। भारतीय किसानों के लिए यह एक कम लागत वाला, लेकिन अधिक लाभ देने वाला व्यवसाय है जिसे खेत के कोने, घर के पिछवाड़े या पशुशाला के पास आसानी से शुरू किया जा सकता है।

वर्मी कम्पोस्ट क्या है?

वर्मी कम्पोस्ट एक सूक्ष्म, गंधहीन और गहरे भूरे रंग की खाद होती है, जिसे *Eisenia fetida* (लाल केंचुआ) जैसे विशेष केंचुए तैयार करते हैं। यह केंचुए जैविक पदार्थ को खाकर उसे सूक्ष्म कणों में बदल देते हैं। यह खाद पौधों के लिए संतुलित पोषक तत्व (NPK + सूक्ष्म पोषक तत्व), लाभकारी जीवाणु और विकास प्रोत्साहक तत्व प्रदान करती है।

वर्मी कम्पोस्ट व्यवसाय क्यों लाभदायक है?

1. **कम पूँजी में शुरुआत** – केवल 10–50 वर्ग फुट जगह से भी शुरू किया जा सकता है।
2. **कचरे का सदुपयोग** – गोबर, फसल अवशेष, सब्जी व रसोई का कचरा खाद में बदल जाता है।
3. **तेजी से बढ़ती मांग** – जैविक खेती, बागवानी व रसोई बागानों में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है।
4. **मिट्टी की सेहत में सुधार** – लंबे समय तक मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है।
5. **अतिरिक्त आमदनी** – किसान अपने खेत की मिट्टी सुधारने के साथ-साथ इसे बेचकर भी कमाई कर सकते हैं।

जरूरी सामग्री व व्यवस्था

जगह – छायादार, समतल और पानी निकासी वाली जगह (10–100 वर्ग फुट)।

केंचुए – Eisenia fetida या Eudrilus eugeniae (लाल केंचुए) सर्वश्रेष्ठ माने जाते हैं।

कच्चा माल (Feedstock) – गोबर, सूखी पत्तियाँ, फसल अवशेष, सब्जी के छिलके, गन्ना बगास आदि।

पानी – नमी बनाए रखने के लिए (लगभग 60%)।

ढाँचा – बाँस, HDPE वर्मी बेड या प्लास्टिक के बड़े डिब्बे/टैंकईंट या सीमेंट से बना शेड; ऊपर टीन या छप्पर की छत।

औज़ार – फावड़ा, छलनी, तौल मशीन, बोरी, स्प्रे कैन आदि।

श्रम – 1 व्यक्ति पर्याप्त है।

वर्मी कम्पोस्ट बनाने की विधि

1. बिस्तर तैयार करें: गोबर व सूखी पत्तियों का मिश्रण बनाएं। नमी लगभग 60% रखें (मुट्ठी दबाने पर 2–3 बूँद पानी निकले)।
2. बेड तैयार करें: 20–30 सेमी मोटी परत बनाएं।
3. केंचुओं को डालें: प्रति वर्ग मीटर 1–2 किलो केंचुए डालें।
4. खुराक डालना: हर 7–10 दिन पर थोड़ी मात्रा में नया कचरा या गोबर डालें।
5. सुरक्षा व देखभाल: सीधी धूप, बारिश और चींटियों से बचाव करें। नमी बनी रहे पर जलभराव न हो।
6. खाद तैयार होने का समय: लगभग 8–10 हफ्तों में तैयार हो जाती है।
7. तैयार खाद की पहचान: गहरी भूरी, दानेदार, मिट्टी जैसी खुशबू वाली और बिना किसी दुर्गंध के।
8. छानना व पैकिंग: छलनी से छानें, 1–2 सप्ताह सुखाएं, फिर 5, 10 या 50 किलो की बोरियों में पैक करें।

विवरण	अनुमानित मात्रा / मूल्य
उत्पादन क्षमता	1000 किग्रा / माह
विक्रय मूल्य	₹10 प्रति किग्रा
कुल बिक्री	₹10,000 / माह
कच्चा माल	₹1,000
श्रम व रखरखाव	₹4,000
पैकिंग/परिवहन	₹1,000
अन्य खर्च	₹1,000
कुल लागत	₹7,000
शुद्ध लाभ	₹3,000 / माह

विपणन के सरल उपाय

- आस-पास के किसान, सहकारी समितियाँ और नर्सरी से संपर्क करें।
- स्थानीय बाजार या कृषि मेलों में स्टॉल लगाएं।
- सोशल मीडिया या व्हाट्सएप ग्रुप पर प्रचार करें।
- 5 या 10 किलो की छोटी पैकिंग बनाकर गृह बागवानों को बेचें।

- वर्मी टी (Vermi Tea) या पॉटिंग मिक्स बनाकर अतिरिक्त आय प्राप्त करें।

समस्या	कारण	समाधान
बदबू आना	अधिक नमी या गीला गोबर	सूखा पत्ता/भूसा मिलाएँ, पलट दें
केंचुए बाहर निकलना	तापमान अधिक या अम्लीय कचरा	नमी व तापमान नियंत्रित करें
चींटियाँ/चूहे	सूखा या मीठा कचरा	चारों ओर पानी की नाली या राख डालें
सड़न धीमी	ठंडा या सूखा वातावरण	हल्की नमी बनाए रखें, छाया बढ़ाएँ

रिकॉर्ड रखें

हर बैच की शुरुआत, उपयोग किए गए पदार्थ, केंचुओं की मात्रा, तैयार खाद का वजन और बिक्री का विवरण लिखें। इससे उत्पादन योजना और लाभ का सही आकलन होगा।

आगे बढ़ने के उपाय

- अधिक बेड जोड़ें या ट्रे सिस्टम अपनाएँ।
- वर्मी टी, पॉटिंग मिक्स या केंचुआ बिक्री जैसे नए उत्पाद शुरू करें।
- समूह या एफपीओ बनाकर सामूहिक ब्रांडिंग और मार्केटिंग करें।
- कृषि विभाग या एनजीओ से तकनीकी मार्गदर्शन लें।

दिन	कार्य
1–7	जगह चुनें, शेड बनाएं, बेड तैयार करें
8–10	गोबर व पत्तों का मिश्रण तैयार करें
11	केंचुए डालें
12–30	नियमित नमी व खाद डालना, निगरानी करें

आरंभ से पहले की चेकलिस्ट

☑ छायादार जगह (10–50 वर्ग फुट)
☑ 2–4 बेड या ट्रे
☑ 1–5 किलो केंचुए
☑ गोबर व सूखी पत्तियाँ
☑ फावड़ा, छलनी, बोरी, तराजू
☑ 1 व्यक्ति श्रमिक
☑ बिक्री के संभावित खरीदारों की सूची

निष्कर्ष

वर्मी कम्पोस्ट बनाना एक सरल, टिकाऊ और लाभदायक खेती आधारित उद्यम है। यह न केवल किसान की आमदनी बढ़ाता है बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी स्थायी रूप से सुधारता है। "जहाँ कचरा है, वहीं खजाना छिपा है" – बस सही तरीके से इस्तेमाल कीजिए। थोड़ा श्रम, थोड़ी समझ और सही देखभाल से यह कार्य हर भारतीय किसान के लिए आय का एक भरोसेमंद स्रोत बन सकता है।